Self Respect

21-07-2014

- ✓अब बच्चे यह तो जानते हैं हम आत्मा इस शरीर को छोड़ जायेंगे अपने घर । बहुत खुशी से जाना है । सारा दिन चिंतन ही यह करते हैं-हम शान्तिधाम में जाये क्योंकि बाप ने रास्ता तो बताया है । और लोग कभी इस विचार से नहीं बैठते होंगे । यह शिक्षा किसको मिलती ही नहीं है । ख्याल भी नहीं होगा ।

- ✓बाबा में यह ज्ञान है ना । ज्ञान सागर है तो जरूर ज्ञान टपकता होगा । तुम भी ज्ञान सागर से निकली हुई नदियाँ हो ।

- ✓जैसे बाप की आत्मा में ज्ञान है, तुम्हारी आत्मा में भी ज्ञान है । शरीर द्वारा सुनते और सुनाते हैं । शरीर बिगर तो आत्मा बोल न सके, इसमें प्रेरणा वा आकाशवाणी की बात होती नहीं । भगवानुवाच है तो जरूर मुख चाहिए, रथ चाहिए । गधे-घोड़े का रथ तो नहीं चाहिए । तुम भी पहले समझते थे कलियुग अभी 40 हजार वर्ष और चलना है । अज्ञान नींद में सोये पड़े थे, अब बाबा ने जगाया है । तुम भी अज्ञान में थे । अब ज्ञान मिला है । अज्ञान कहा जाता है भक्ति को ।

- ✓तुम अभी बेहद में खड़े हो । हम सब आत्मायें एक बाप के बच्चे भाई- भाई हैं ।

- ✓हम तो राजयोग सीख रहे हैं । परमपिता परमात्मा जो ज्ञान सागर है, वह रचयिता हमको अपना और रचना का ज्ञान सुनाते हैं । अब हमको वापिस घर जाना है । मनमनाभव-यह है हमारा मन्त्र ।

- ✓यह राजयोग तुम सीख रहे हो । बोलो हम यह पढ़ रहे हैं । हमको पढ़ाने वाला भगवान है, हम सब ब्रदर्स हैं । हम अपने को आत्मा समझते हैं । बेहद का बाप कहते हैं अपने को आत्मा समझ मामेकम् याद करो तो तुम्हारे पाप कट जायेंगे ।

- ✓ इस राजयोग से राजाओं का राजा विश्व का मालिक बनते हैं । हर 5 हजार वर्ष बाद हम देवता बनते हैं फिर मनुष्य बनते हैं ।

- ✓योग तो दो प्रकार का है-एक है हठयोग, दूसरा है सहज योग । वह तो कोई मनुष्य सिखला न सके । राजयोग एक परमात्मा ही सिखलाते हैं । बाकी यह अनेक प्रकार के योग हैं मनुष्य मत पर ।

- ✓पढ़ाई है सोर्स ऑफ इनकम । यह है सबसे ऊंची पढ़ाई । दी बेस्ट । दुनिया नहीं जानती कि दी बेस्ट कौन-सी पढ़ाई है । इस पढ़ाई से मनुष्य से देवता डबल क्राउन बन जाते हैं । अभी तुम डबल सिरताज बनने का पुरूषार्थ कर रहे हो ।

- ✓यह बुद्धि में रहना चाहिए-हम सब भाइयों का एक टीचर है, वह है सुप्रीम टीचर । आगे चल बहुतों को मालूम पड़ेगा- अहो प्रभू तेरी लीला..... महिमा करके मरेंगे परन्तु पा तो कुछ नहीं सकेंगे ।

- ✓एक दिन ऐसा भी आयेगा जो दुनिया बहुत खाली हो जायेगी । सिर्फ भारत ही रहेगा । आधाकल्प सिर्फ भारत ही होगा तो कितनी दुनिया खाली होगी । ऐसा ख्याल कोई की बुद्धि में नहीं होगा सिवाए तुम्हारे । फिर तो तुम्हारा कोई दुश्मन भी नहीं होगा ।

- ✓तुम्हें निश्चय है हम बेहद के बाप पास आये हैं । कभी किसके ख्याल में भी नहीं होगा कि यह ईश्वरीय परिवार है ।

- ✓वरदान: अपनी श्रेष्ठ वृत्ति द्वारा विश्व का वातावरण परिवर्तन करने वाले आधारमूर्त भव !

- ✓अच्छा! मीठे-मीठे सिकीलधे बच्चों प्रति मात- पिता बापदादा का याद-प्यार और गुडमॉनिग । रूहानी बाप की रूहानी बच्चों को नमस्ते ।